अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2024) दिनांक : 18.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 11

आचार्य श्री मघवागणी जी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) बालक मघवा की दीक्षा में सबसे बड़ी बाधा क्या थी?

(ख) मालव यात्रा में प्रथम बार मुनि मघवा का आचार्यश्री से पृथक रहने का क्या कारण था?

(ग) पदारोहण के पश्चात आचार्य मघवा की आचार्य पद के प्रथम दिन की प्रथम भेंट क्या थी?

(घ) मेवाड़ यात्रा के दौरान मघवागणी ने कौन-कौन सी साध्वियों को कितने महीने की तपस्या का पारणा करवाया?

(ड़) बीकानेर में कितने संवेगी संत और यति मघवागणी के पास आये और उन्होंने मघवागणी से क्या प्रश्न किया?

(च) अन्तिम समय में शिक्षा प्रदान करते समय मघवागणी की सेवा में सरदार शहर के कौन-कौन से श्रावक उपस्थित थे?

आचार्य श्री माणक लाल जी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) जीवसुखराय जी धार्मिक दृष्टि से किस आम्नाय को मानने वाले थे?

(ज) माणकगणी के शासन काल में आचार्य के साथ रहने वाले साधु-साध्वियों को व्यक्तिगत भार के अतिरिक्त कितनी पोथियों का भार लेना पड़ता था?

(झ) मुनि माणक के युवाचार्य बनने पर धर्म परिषद में मोतियों की उछाल कौन से श्रावक ने की थी?

(ञ) माणकगणी के दिवंगत होने के पश्चात सुजानगढ़ में मुल साधु-साध्वियां कितने थे तथा उस समय व्यवस्था का भार किन संतों ने संभाला?

आचार्य श्री डालचन्द जी (किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें)

(ट) सं. 1952 के पचपदरा चातुर्मास में डालगणी ने किसे दीक्षा दी?

(ठ) डालगणी ने मुनि चौथमलली से कितने व कौन से प्रश्न पूछे?

(ड) गूढ़ा निवासियों को कितने वर्षों बाद चातुर्मास प्राप्त हुआ तथा उस समय कौन सा विचित्र संयोग घटित हुआ?

(ढ) 'महाराज! आप हमारी शान क्यों ले रहे हैं?' ये शब्द किसने किससे व किस संदर्भ में कहे?

(ण) डालगणी के शासनकाल में कुल कितनी दीक्षाएं हुई तथा स्वयं डालगणी द्वारा दीक्षित साधु-साध्वियां कितने थे?

आचार्य श्री मघवागणी जी–21

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) तेरापंथ धर्मसंघ में युवाचार्य पद की नियुक्ति को 'द्वयांगी' किस आधार पर कहा गया है?

(ख) धर्मसंघ में पांचो प्रतिक्रमणों में कितने लोगस्स का ध्यान करने की परिपाटी थी तथा मघवागणी ने उस परम्परा में क्या परिवर्तन किया?

(ग) मघवागणी की शिष्य-संपदा के बारे में लिखें।

प्र. 3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) 'बुद्ध बोधित'–घटना को लिखें।

(ख) 'मध्य में आलोयणा' घटना लिखें तथा बताएं कि मघवागणी ने प्रातः सायं की आलोयणा किस सूत्र से पूर्व करने का आदेश दिया था?

प्र. 4 मघवागणी के समग्र साहित्य को उल्लेखित करते हुए 'संस्कृते वाच्यम्' घटना का वर्णन करें। 10

अथवा

मघवागणी के अन्तिम समय की घटनाओं को लिखें।

आचार्य माणक लाल जी–15

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) माणकगणी एक उदारमना आचार्य थे–2-3 पंक्तियों से सिद्ध करें।

(ख) अज्ञात विद्वान श्रावक का परिचय पाकर माणकगणी अत्यन्त प्रसन्न हुए–यह श्रावक कौन था तथा उसे कितना ज्ञान कंठस्थ था?

(ग) दीक्षार्थी माणक के बाह्य व्यक्तित्व के बारे में बताएं।

प्र. 6 आचार्य शून्यकाल में भी साधु-साध्वियों ने व्यवस्था का भार बखूबी से उठाया। इस पंक्ति को घटनाक्रम के द्वारा सिद्ध करें। 10

अथवा

मघवागणी ने युवाचार्य माणकलाल जी को शासन-हित जो अन्तिम शिक्षाएं प्रदान की उनका उल्लेख करें।

आचार्य श्री डालगणी जी–23

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) मुनि आनंदराम जी का व्यक्तित्व कैसा था? उनके द्वारा कटु भाषा का प्रयोग करने पर डालगणी ने उन्हें क्या प्रायश्चित्त दिया?

(ख) 'यदि मैं इस पद को स्वीकार नहीं करता तो तुम क्या करते?' डालगणी के इस प्रश्न का उत्तर मुनि मगन ने क्या दिया?

(ग) डालगणी की कमजोर शारीरिक स्थिति को देखकर श्री चंदजी गधैया ने सरदारशहर पधारने के बारे में गुरूदेव से क्या निवेदन किया?

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) डालगणी ने युवाचार्य नियुक्ति के बारे में उपयुक्त व्यक्तियों को सूचित भी कर दिया और युवाचार्य का नाम गुप्त भी रख लिया–संबंधित घटनाक्रम लिखें।

(ख) अपनी शारीरिक स्थिति क्षीण होती देख डालगणी ने मुनि कालूजी से क्या फरमाया तथा आत्मशोधन के लिए किस प्रकार अपनी आत्मा को भावित किया?

प्र. 9 टिप्पण लिखें– 12

खरी कमाई की पड़त।

अथवा

शास्त्रार्थ का आह्वान।

तुलसी प्रबोध–21

प्र. 10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 14

(क) आगम सम्पादन.....आधार हो।।

(ख) 'हकीम खां सूर' वाला पद्य।

(ग) भाद्रव शुक्ल.....सिरजणहार हो।।

(घ) 'अंतरंग संघर्ष' वाला पद्य।

प्र. 11 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें– 7

(क) चौबी संत.....सैकड़ा च्यार हो।।

(ख) दियो अशांत.....दिखार हो।।

(ग) आगै बढ़यो.....अंधार हो।।

(घ) आध्यात्मिक.....क्रमवार हो।।

तेरापंथ प्रवोध–9

प्र. 12 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) सार्वभौम सिद्धांत..... निखार हो।।

(ख) 'गणधारी हो ब्रह्मचारी! म्हांने थांरी याद सतावै' गीत वाला पद्य।

(ग) भादूड़ी तेरस आई.....गीत वाला पद्य।

(घ) 'हमारे भाग्य बड़े बलवान' गीत वाला पद्य।